# सपना

*(रोचक कहानी)*

9

*सपना* देखना हर व्यक्ति का *मौलिक* अधिकार है। इस मौलिक *अधिकार* में वह कभी-कभी *सुंदर कल्पना* भी करने लग जाता है।

एक बार एक *किशोरी ग्वालिन* अपने सिर पर दूध से भरा *कलश* रखकर शहर में बेचने के लिए जा रही थी। चलते-चलते वह विचारों में खो गई और खुली आँखों से सपने देखने लग गई कि मैं सारा दूध शहर में बेचकर खूब सारे पैसे कमाऊँगी। उन पैसों से खूब सारे अंडे खरीदूँगी। उन अंडों से मुर्गी के चूजे निकलेंगे। जब चूजे बड़े हो जाएँगे, तब उन्हें बेचकर एक सुंदर-सी रेशम की पोशाक बनवाऊँगी। जब मैं वह रेशम की पोशाक पहनूँगी, तब बहुत ही सुंदर दिखाई दूँगी। *त्योहार* के दिन चौपाल में जाकर सबके साथ नाचूँगी। सारे युवक मेरे साथ नाचने का *प्रस्ताव* रखेंगे, तो मैं सिर हिलाकर उन सबको *इंकार* कर दूँगी।

ऐसा सोचकर किशोरी ग्वालिन ने सिर को जोर से हिलाया ही था कि सिर पर रखा कलश धरती पर गिरकर टूट गया। सारा दूध धरती पर बिखर गया।

इसके साथ ही किशोरी ग्वालिन के सारे सपने भी बिखरकर चूर-चूर हो गए। वह *निराश* होकर बैठ गई।

## शब्द-भंडार

मौलिक — मूलभूत *(basic)*,
त्योहार — पर्व *(festival)*,
गगरी — मटकी *(pitcher)*,
कल्पना — नई बात सोचना *(imagination)*,
किशोरी — अल्पव्यस्क *(young girl)*,
ग्वालिन — दूध बेचने वाली *(milkwomen)*,
प्रस्ताव — अवसर *(offer)*।
अधिकार — हक, कब्जा *(right)*,
कलश — घड़ा *(pinnacle)*,
सपना — स्वप्न *(dream)*,
सुंदर — खूबसूरत *(beautiful)*,
निराश — हताश *(upset)*,
इंकार — मना *(reject)*,

# अभ्यास

## मौखिक

**1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–**

मौलिक ग्वालिन कल्पना कमाऊँगी बनवाऊँगी चौपाल

**2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–**

(क) सपना देखना किसका मौलिक अधिकार है?

(ख) किशोरी ग्वालिन दूध बेचने के लिए कहाँ जा रही थी?

(ग) क्या किशोरी ग्वालिन सपना देख रही थी?

## लिखित

**1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–**

(क) क्या देखना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है?

☐ सपना देखना ☐ गेम-शो देखना ☐ फिल्म देखना

(ख) ग्वालिन की कैसी अवस्था थी?

☐ अधेड़ ☐ बूढ़ी ☐ किशोर

(ग) ग्वालिन शहर में क्या बेचने जा रही थी?

☐ दही ☐ मट्ठा ☐ दूध

**2. वाक्यों को पूरा कीजिए–**

***दूध, कलश, खुली, सिर, दूध***

(क) किशोरी ग्वालिन ..... से भरा कलश सिर पर रखकर जा रही थी।

(ख) चलते-चलते वह ..... आँखों से सपने देखने लग गई।

(ग) सोचते हुए किशोरी ग्वालिन ने ..... को जोर से हिला दिया।

(घ) ..... के टूटने से उसके सपने चूर-चूर हो गए।

(ङ) सारा ..... धरती पर बिखर गया।

**3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–**

(क) सपना देखना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। ☐

(ख) ग्वालिन दूध बेचकर उन पैसों से अंडे खरीदना चाहती थी। ☐

(ग) सारी दही धरती पर बिखर गई थी। ☐

(घ) ग्वालिन बंद आँखों से सपने देखने लग गई थी। ☐

(ङ) ग्वालिन ने शहर में दूध बेचकर खूब सारे पैसे कमाए। ☐

**4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) ग्वालिन चलते-चलते किसमें खो गई थी?

.....

(ख) ग्वालिन पैसे कमाकर क्या खरीदना चाहती थी?

.....

(ग) सिर हिलाने से ग्वालिन के साथ क्या घटना घटी?

.....

(घ) ग्वालिन चूजे बेचकर क्या करना चाहती थी?

.....

## भाषा-ज्ञान

**1. नीचे दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–**

(क) वियक्ति ..... (ख) आंख .....

(ग) सुदर ..... (घ) पोसाक .....

(ङ) गुवालिन ..... (च) इकार .....

**2. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–**

(क) सपना = ..... (ख) पोशाक = .....

(ग) युवक = ..... (घ) चौपाल = .....

(ङ) चूजा = ..... (च) आँख = .....

## क्रियात्मक गतिविधि

- बच्चों, आपको भी सोते हुए सपने अवश्य आते होंगे। अपने सपनों के बारे में अपने सहपाठियों से भली-भाँति चर्चा कीजिए और पता लगाइए कि सपने कभी सत्य भी होते हैं या नहीं?
- सरल वाक्य बनाइए–

दूध → ग्वालिन सिर पर कलश रखकर **दूध** बेचने जा रही थी।

आँखों → .....

सिर → .....

निराश → .....